an>

Title: Need to include Kol community of Uttar Pradesh in the list of Scheduled Tribes.

**श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्ज़ापुर):** अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान उत्तर प्रदेश में रहने वाले कोल आदिवासी समुदाय की समस्याओं की ओर आकृष्ट करते हुए बताना चाहती हूँ कि कोल आदिवासी समुदाय के लोग उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रहते हैं जैसे इलाहबाद, वाराणसी, सोनभद्र, मिर्ज़ापुर, बांदा, चित्रकूट आदि। इनकी सबसे बड़ी समस्या यह है कि बिहार, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, झारखण्ड जैसे राज्यों में इन्हें अनुसूचित जनजातियों की श्रेणी में रखा गया है। लेकिन उत्तर प्रदेश में आज भी ये अनुसूचित जाति की श्रेणी में ही हैं। वहां पर इनका जो शैक्षणिक स्तर है, वह भी बहुत दयनीय है, जो कि मात्र 0.2 प्रतिशत है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि अगर उत्तर प्रदेश में रहने वाले कोल आदिवासी समाज की बेटी जब विवाह कर के अन्य राज्यों में जाती है, तो उसकी संतान को वहां पर अनुसूचित जनजाति की श्रेणी के लाभ और सुविधाएं मिलते हैं। लेकिन बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे तमाम राज्यों की इस समुदाय की बेटी जब विवाह कर के उत्तर प्रदेश में आती है, तो उसकी संतान, अनुसूचित जनजाति की श्रेणी के जो लाभ और सुविधाएं हैं, उनसे वंचित रह जाती है। इस संबंध में 21 नवंबर सन् 2013 को उत्तर प्रदेश की सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ से कोल आदिवासी के मानक बिंदुओं पर सर्वेक्षण करा कर इन्हें उत्तर प्रदेश में भी अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में लाने की आख्या जनजातीय मंत्रालय, भारत सरकार को भेजी हुई है और यह सरकार के पास विचाराधीन है। आपके माध्यम से जनजातीय कार्य मंत्री से मेरा यह अनुरोध है कि इन्हें तुरंत ही उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में लाया जाए।